

अँग्रोमेट अँडवायझरी बुलेटीन

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, ऐएमएफयु,

कृषी हवामानशास्त्र विभाग





जिल्हा : पुणे

मागील आठवडयाचे हवामान :

मागील आठवडयाचे हवामान : पुणे परिसरात मागील आठवडयात कमाल तापमान २७.५ ते ३०.९ अंश सेल्सिअस तर किमान तापमान १५.० ते १८.३ अंश सेल्सिअसच्या दरम्यान होते. सकाळची सापेक्ष आर्द्रता ९० ते ९६ टक्के तर दुपारची सापेक्ष आर्द्रता ३९ ते ६२ टक्के होती. वाऱ्याचा सरासरी वेग ताशी १.६ ते ३.० कि.मी. होता.

हवामान अंदाज : पुढील पाच दिवसात पुणे जिल्ह्यात कमाल तापमान ३० ते ३२ अंश सेल्सिअस, तर किमान तापमान १४ ते १६ अंश सेल्सिअसच्या दरम्यान राहील. सकाळची सापेक्ष आर्द्रता ७२ टक्के तर दुपारची सापेक्ष आर्द्रता ५२ टक्के दरम्यान राहील. वाऱ्याचा सरासरी वेग ताशी ०८ ते १२ कि.मी.

दरम्यान राहील. आकाश अंशतः ढगाळ राहील. वाऱ्याची दिशा आग्नेयेकडून वायव्येकडे राहील.

| परम्पाग राहाल. जागारा जरातः छगाळ राहाल. पा.पापा पिरा जान्नपगडून पापव्यमञ् राहाल. | | | | | | | | | | | | |
|--|------|---------|----------|----------|------|------|------------------------------|------------------------------------|-----|-----|-----|-----|
| मागील आठवड्यातील हवामान | | | | | | | | पुढील पाच दिवसांचा हवामानाचा अंदाज | | | | |
| | (° | ६/१२/२० | २३ ते १२ | १/१२/२०३ | ₹) | | हवामान घटक | (१२/१२/२०२३ ते १६/१२/२०२३) | | | | |
| 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | दिनांक | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 |
| 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | पाऊस (मिमी) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 29.7 | 27.5 | 28.2 | 29.2 | 29.6 | 30.9 | 30.6 | कमाल तापमान (अं₌से.) | 31 | 32 | 31 | 31 | 30 |
| 18.3 | 15.7 | 15.0 | 15.5 | 15.3 | 15.8 | 15.4 | किमान तापमान (अं₌से.) | 14 | 14 | 15 | 15 | 16 |
| | | | | | | | ढग स्थिती (आकाश) | 2 | 1 | 1 | 2 | 3 |
| 91 | 94 | 90 | 94 | 96 | 94 | 94 | सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (%) | 70 | 69 | 69 | 74 | 78 |
| 62 | 54 | 47 | 50 | 43 | 39 | | दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (%) | 56 | 55 | 49 | 50 | 49 |
| 2.2 | 3.0 | 1.9 | 1.6 | 2.4 | 2.0 | 1.6 | वाऱ्याचा वेग (किमी/तास) | 8 | 11 | 12 | 11 | 10 |
| | | | | | | | वाऱ्याची दिशा (अंश) | 162 | 117 | 112 | 103 | 112 |

हवामान अंदाजावर आधारित कृषी सल्ला

| पीक | पीक अवस्था | कृषि विषयक सल्ला | | | | |
|----------------------|----------------|---|--|--|--|--|
| हवामान सारांश/ इशारा | | भारतीय हवामान खात्याच्या प्रादेशिक हवामान केंद्र , मुंबई यांच्या अंदाजानुसार दिनांक १२ ते १६ डिसेंबर, | | | | |
| | | २०२३ दरम्यान हवामान कोरडे राहण्याची शक्यता आहे. | | | | |
| विस्ता | रित श्रेणी | विस्तारित श्रेणी अंदाजानुसार (ईआरएफएस) मध्य महाराष्ट्र विभागात (धुळे, नंदुरबार, जळगाव, नाशिक, | | | | |
| अंदाज (ई | आरएफएस) | अहमदनगर, पुणे, सातारा, सांगली, सोलापूर, कोल्हापूर) दिनांक १७ ते २३ डिसेंबर, २०२३ दरम्यान | | | | |
| (3 | (" , 2 2) | 🕨 पावसाचे प्रमाण सरासरी पेक्षा जास्त राहण्याची शक्यता आहे. | | | | |
| | | कमाल तापमान सरासरी पेक्षा कमी राहण्याची शक्यता आहे. | | | | |
| | | 🗲 िकमान कमाल तापमान सरासरी इतके राहण्याची शक्यता आहे. | | | | |
| सामा | न्य सल्ला | शेतकरी बांधवांनी आवश्यकतेनुसार रब्बी पिकांना योग्य प्रमाणात पाण्याचे नियोजन करावे. | | | | |
| | | शेतकरी बांधवांनी आपल्या पिकाचे कीड व रोगासंदर्भात नियमित सर्वेक्षण करून जर प्रादुर्भाव आर्थिक | | | | |
| | | नुकसान पातळीच्या वर असल्यास विविध योग्य त्या उपाययोजना कराव्यात. | | | | |
| | | • शेतकरी बंधूनी हवामान अंदाजावर आधारित कृषी सल्ला व हवामानचा पूर्वानुमाना करीता मेघदुत | | | | |
| | | मोबाईल ॲपचा वापर करावा. | | | | |
| | | • तसेच शेतकरी बंधूनी मेघगर्जना व विजेचा पूर्वानुमाना करीता दामिनी मोबाईल ॲपचा वापर | | | | |
| | | करावा. | | | | |
| | मुकुट मुळे | सध्याच्या हवामानामुळे गहू पिकावरील मावा किडीच्या नियंत्रणासाठी थायोमिथोक्झाम २५ डब्लूजी १ ग्रॅम प्रती | | | | |
| गहू | फुटणे ते फुटवे | १०लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. | | | | |
| | येण्याची | | | | | |
| | अवस्था | | | | | |

| हरभरा | फुलोरा टे घाटे | सध्याच्या हवामानामुळे पिकावर फुलकळी लागण्याच्या वेळेस किडीच्या नियंत्रणासाठी ५ टक्के निंबोळी अर्काची |
|------------|-----------------------------|--|
| | लागण्याची | फवारणी करावी. हरभरा पिकावरील घाटेअळीच्या नियंत्रणासाठी पक्षी थांबे उभारावेत व हेक्टरी ५ या प्रमाणे |
| | अवस्था | कामगंध सापळे लावावेत. |
| करडई | पिक वाढीची | सध्याच्या हवामानामुळे करडई पिकावर मावा आणि पाने खाणारी अळी यांच्या एकत्रित नियंत्रणासाठी अॅसिफेट |
| | अवस्था | १६ ग्रॅम + फेनवलरेट १० मिली प्रती १० लिटर पाणी या प्रमाणात फवारणी करावी. |
| | | तूर पिकावरील शेंग अळीच्या नियंत्रणासाठी ५ कामगंध सापळे प्रति हेक्टर लावावेत तसेच ५ % निंबोळी अर्काची |
| | शेंगा भरण्याची | फवारणी करावी. तुरीमधील फुलोरा व शेंगा भरण्याच्या अवस्थेमध्ये घाटे अळी /िपसारी पतंग व शेंग माशी |
| तुर | | यासाठी एकात्मिक किड व्यवस्थापन पध्दतीने नियंत्रण करावे यामध्ये तृण धान्याचे आंतरपिक असल्यास किडीचे |
| | अवस्था | प्रमाण कमी राहण्यास मदत होते . सध्याच्या हवामानामुळे शेगा पोखरणार्यां माशीच्या नियंत्रणासाठी २० मिली |
| | | प्रोफेनोफॉस ५० % प्रवाही प्रती १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. |
| | 0.0 | कांदा पिकावरील फूलिकडे या किडीचा तसेच करपा हा रोगे यांच्या नियंत्रणासाठी डायमीथोएट ३० ईसी. १५ |
| कांदा | वाढीची | मिली किंवा लॅम्ब्डासायहॅलोथ्रीन ५ % ईसी ६ मिली + टेब्युकोनॅझोल १० मिली प्रती १० लिटर पाण्यात |
| | अवस्था | मिसळून फवारणी करावी. |
| | | केळी पिकावर करपा (सिगटोका) रोगाच्या नियंत्रणासाठी रोगग्रस्त पानाचा भाग / पाने काढून नष्ट करावीत. |
| केळी | | रोगाची लक्षणे दिसताच प्रोपीकोन्याझोल ५ मिली व मिनरल ऑइल १०० मिली प्रती १० लीटर पाण्यात |
| | | मिसळून फवारणी करावी. त्यानंतर २० दिवसांच्या अंतराने २ फवारण्या कराव्यात. |
| आंबा | नवीन पालवी | आंब्यामधील नवीन पालवी वर तुडतुडे च्या नियंत्रणासाठी इमिडॅक्लोप्रीड १७.८ एस.एल. ३ मिली किंवा लॅम्डा |
| | | सायहॅलोथ्रीन ५% ई.सी. १० मिली प्रती १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. |
| जनावरांचे | | सर्व जनावरांना रोग प्रतिबंधक उपाय म्हणून पशु वैद्यकाच्या सहाय्याने योग्य वेळेवर लसीकरण करून घ्यावे. |
| व्यवस्थापन | | पोटातील जंताच्या नियंत्रणासाठी पशु वैद्यकाच्या सहाय्याने जंतनाशक पाजावे. जनावरांचे गोठे उंच ठिकाणी व |
| | | हवेशीर असावेत. गोठ्यामध्ये भरपूर उजेड व सूर्यप्रकाश राहील अशी व्यवस्था करावी. जनावरांना व पक्ष्यांना |
| | | नेहमी पिण्यास स्वछ पाणी द्यावे. जनावरांचे थंडी पासून संरक्षण करावे. |
| * | . daa Asi or A A | and the moral and moral manufication and plant and and the |

*टिप : शेतकरीबंधूनी पिकावर किटकनाशकाची, बुरशीनाशकाची फवारणी करताना स्वत:ची योग्यती खबरदारी/ काळजी घ्याव्री

स्रोत:

१) हवामान पूर्वानुमान : प्रादेशिक हवामान पूर्वानुमान केंद्र, मुंबई.

२) मागील हवामान :-ठिकाण : कृ .म.वि., पुणे. दि. : १२.१२.२०२३

स्वाक्षरीत प्रमुख अन्वेषक, ग्राकृमौसे, ऐएमएफयु, पुणे तथा प्रमुख, कृषि हवामानशास्त्र विभाग, कृ.म.वि., पुणे